ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 18 अंक 33 कुल पृष्ठ-8 16 से 22 मार्च, 2023 दयानन्दाब्द 198 सृष्टि सम्वत् 1960853123 सम्वत् 2079 फा. कृ.-1

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जन्म जयंती वर्ष तथा आर्य समाज के महान नेता, त्यागी-तपस्वी संन्यासी, युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 86वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में दिनांक 1 मार्च, 2023 से 12 मार्च, 2023 तक चलने वाला 16वाँ बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम, रोहतक में महायज्ञ का समापन एवं मुख्य समारोह 12 मार्च, 2023 को सम्पन्न हुआ

आर्य समाज के आन्दोलनात्मक स्वरूप को निरन्तर आगे बढ़ाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए- स्वामी आर्यवेश

आजाद भारत में आन्दोलनों के प्रतीक थे स्वामी इन्द्रवेश जी - स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती

देश की आजादी में आर्य समाज का सबसे बड़ा योगदान - स्वामी यतीश्वरानन्द

आर्य समाज को और अधिक मजबूत करना समय की आवश्यकता है - प्रो. वीरेन्द्र

टिटौली में आयुर्वैदिक संस्थान बनाया जाये जो लोगों को आरोग्य प्रदान करे - विशाल मलिक

आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के 200वें जन्म जयन्ती वर्ष एवं आर्य समाज के महान नेता, त्यागी–तपस्वी संन्यासी, युवाओं के प्रेरणा स्रोत पूज्य स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 86वें जन्मदिवस के अवसर पर दिनांक 1 से 12 मार्च, 2023 तक चलने वाले चतुर्वेद पारायण महयज्ञ में कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, धार्मिक अन्धविश्वास एवं गौहत्या के विरुद्ध लिये गये संकल्प के साथ पूर्णाहुति एवं आर्य परिवार सम्मान समारोह तथा नव–निर्मित यज्ञशाला के उद्घाटन का भव्य आयोजन 12 मार्च, 2023 रविवार को स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटौली, जिला–रोहतक (हरियाणा) में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ।

स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ टिटौली, रोहतक में चल रहे चतुर्वेद पारायण महायज्ञ के समापन अवसर पर स्वामी चन्द्रवेश यज्ञशाला का लोकार्पण स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति श्री विशाल मलिक जी द्वारा किया गया। उन्होंने यज्ञशाला का उद्घाटन करते हुए कहा कि स्वामी आर्यवेश जी की प्रेरणा एवं निर्देश का मैं सदैव पालन करता रहूंगा। इस यज्ञशाला के निर्माण हेतु स्वामी जी का जैसा निर्देश मुझे मिला उसे मैं पूरा करने में तन–मन–धन से जो सहयोग हो सका उसे पूरा कर सका इसके लिए मैं परमपिता परमात्मा का धन्यवाद करता हूँ।

चतुर्वेद पारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर सार्वदेशिक सभा के नेता पूज्य स्वामी आर्यवेश जी, अनेक गुरुकुलों के संस्थापक स्वामी प्रणवानन्द जी, स्वामी रामवेश जी अध्यक्ष नशाबन्दी परिषद्, हरियाणा, यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी वेद प्रकाश सरस्वती जी (हिमाचल), उत्तराखण्ड सरकार में पूर्व मंत्री स्वामी यतीश्वरानन्द जी, हरियाणा सरकार के पूर्व मंत्री चौ. हरि सिंह आर्य जी, तेजस्वी युवा संन्यासी स्वामी आदित्यवेश जी, स्वामी सोम्यानन्द जी, प्रसिद्ध उद्योगपति श्री विशाल मलिक जी, मध्य प्रदेश विदर्भ से श्री जयनारायण आर्य जी, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के प्रधान श्री बिरजानन्द एडवोकेट जी, श्री रामनिवास आर्य नारनौल, आर्य वीरदल के राष्ट्रीय संयोजक श्री भंवर लाल आर्य, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के उपमंत्री श्री हरदेव आर्य शिवगंज, श्री जितेन्द्र सिंह, श्री उम्मेद सिंह, श्री गजे सिंह भाटी आदि (सभी जोधपुर) मानव सेवा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री चन्द्रदेव शास्त्री, कार्यकारी अध्यक्ष श्री रामपाल शास्त्री, श्री सोमवीर शास्त्री, मेजर विजय आर्य चण्डीगढ़, श्री विष्णुपाल, श्री अशोक वशिष्ठ, श्री जावेद जी, श्री धर्मेन्द्र कुमार आदि दिल्ली, राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत आदर्श अध्यापक श्री मनोज लाकड़ा, श्री हरिकेश राविश एडवोकेट, श्री सुन्दर यादव जैनाबाद रेवाड़ी, श्रीमती मूर्ति देवी रोहतक, श्रीमती बीरमती लाढ़ौत आदि अनेक संन्यासी, आर्यनेता, विद्वत्जन तथा अन्य गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे।

चुतुर्वेद पारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर लगभग 500 आर्य परिवारों ने यज्ञ में सम्मिलित होकर कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, धार्मिक अन्धविश्वास, गौहत्या आदि सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध आहुति देकर संकल्प लिया।

इस अवसर पर स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटौली, रोहतक, हरियाणा की ओर से सभी आर्य परिवारों का सम्मान प्रशस्ति पत्र तथा ओ३म् पट्ट भेंट करके किया गया। निःसंदेह आर्य परिवारों के सम्मान का कार्यक्रम अत्यन्त प्रेरणादायक रहा।

यज्ञ की पूर्णाहुति का कार्यक्रम विशाल पण्डाल में पचास यज्ञ वेदियों पर सैकड़ों यजमानों की उपस्थिति से अत्यन्त आकर्षक एवं भव्य रहा। यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी वेद प्रकाश सरस्वती जी तथा वेदपाठी श्री अमित शास्त्री तथा श्री जयकृष्ण शास्त्री की भूमिका अत्यन्त प्रशंसनीय रही। पूर्णाहुति का यज्ञ सम्पन्न करवाते समय स्वामी वेद प्रकाश जी ने यजमानों को यज्ञ के सम्बन्ध में विशेष जानकारी प्रस्तुत की गई।

इस अवसर पर अपना उद्बोधन देते हुए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के नेता स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि परिवारों में प्रतिदिन यज्ञ होना चाहिए। इन्हीं उद्देश्यों को लेकर चतुर्वेद पारायण महायज्ञ भी प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है जिसमें हजारों लोगों को कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, धार्मिक अन्धविश्वास एवं गौहत्या आदि सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध संकल्प दिलवाये जाते हैं। 1 मार्च, 2023 से प्रारम्भ हुए इस चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने भाग लिया और अपनी आहुतियाँ देकर उपरोक्त बुराईयों के विरुद्ध कार्य करने का संकल्प लिया। आहुति देने वालों में वकील, डॉक्टर, ग्राम पंचायतों के सदस्य, सरपंच, जनप्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य लोग सम्मिलित रहे। स्वामी आर्यवेश जी ने उपस्थित हजारों आर्यजनों का आह्वान किया कि

भव्य यज्ञशाला का उद्घाटन करते हुए युवा समाजसेवी विशाल मलिक

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

पूरे हरियाणा में नई आर्य समाजों का गठन किया जाये – चौ. हरि सिंह सैनी

अब वह समय आ गया है जब हमें वैदिक मान्यताओं को घर–घर तक पहुँचाना होगा और महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जन्म जयन्ती वर्ष को जगह–जगह कार्यक्रम आयोजित करके उनके विचारों एवं सिद्धान्तों से सामान्य जनमानस को अवगत कराने के संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। स्वामी जी ने बताया कि केन्द्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा एक कमेटी का गठन किया गया है जिसमें कई राजनीतिक दलों के प्रमुख तथा आर्य समाज के प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की एक कमेटी बनाई गई है जिसके अध्यक्ष प्रधानमंत्री जी स्वयं हैं और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री खड़गे जी, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत जी, बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी जी सहित अनेक नेता शामिल हैं। स्वामी दयानन्द जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम किया जायेगा। देश की आजादी से लेकर समाज में फैली हुई कुरीतियों के खिलाफ स्वामी दयानन्द जी ने अपनी बात प्रखरता के साथ रखी और समाज से कुरीतियों को उखाड़ने का कार्य किया। आज हम सबको भी कमर कस करके पूरे देश एवं विश्व में स्वामी दयानन्द जी के विचारों से लोगों को अवगत कराने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम में नव–निर्मित स्वामी चन्द्रवेश यज्ञशाला पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। समाज में व्याप्त सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध प्रचण्ड आन्दोलन आर्य समाज को प्रारम्भ करना होगा और समाज को नशामुक्त, पाखण्ड एवं अन्धविश्वास मुक्त, गौहत्या मुक्त, अश्लीलता मुक्त, जातिवाद मुक्त, साम्प्रदायिकता मुक्त, कन्या भ्रूण हत्या एवं नारी उत्पीड़न मुक्त बनाने के लिए देशव्यापी जन–जागरण अभियान चलाने का संकल्प लेना होगा। स्वामी आर्यवेश जी ने विद्यापीठ में नव–निर्मित भव्य यज्ञशाला के लिए सहयोग देने वाले प्रमुख दानदाताओं के नाम उल्लेखित किये तथा उन्होंने बताया कि जिन प्रमुख दानदाताओं के सहयोग से यह यज्ञशाला निर्मित हुई है उनके नाम इस यज्ञशाला के शिलापट्ट पर अंकित करवाकर लगवाया गया है।

इस अवसर पर अनेक गुरुकुलों के संचालक स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी ने अपना प्रवचन देते हुए कहा कि यज्ञ एक सर्वश्रेष्ठ कर्म है। उन्होंने स्वामी आर्यवेश जी का विशेष धन्यवाद करते हुए यजमानों को आशीर्वाद प्रदान किया। उन्होंने कहा कि आश्रम में नव–निर्मित यज्ञशाला अपनी भव्यता को लिये हुए सभी को आकर्षित कर रही है। इस आश्रम के माध्यम से वैदिक मान्यताओं की गतिविधियां निरन्तर चलती रहती है जो अपने आपमें अनुपम उदाहरण है।

उत्तराखण्ड सरकार के पूर्व मंत्री रहे स्वामी यतीश्वरानन्द जी अपना विचार रखते हुए कहा कि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी तथा आर्य समाज का देश की आजादी में अप्रतिम योगदान रहा है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। देश की आजादी के लिए स्वामी दयानन्द सरस्वती जी के विचारों से प्रेरित होकर अनेक क्रांतिकारियों ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

पूर्णाहुति के अवसर पर अनेक दम्पत्तियों तथा गणमान्य व्यक्तियों एवं उपस्थित लोगों ने यज्ञ में आहुति प्रदान की। पूर्णाहुति के बाद बहन कल्याणी आर्या जी के सुन्दर भजनों का आनन्द उपस्थित जनसमूह ने उठाया तथा उनकी भूरि–भूरि प्रशंसा की। यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी वेद प्रकाश सरस्वती जी ने भी समस्त यजमान परिवारों को अपना आशीर्वाद प्रदान करते हुए उनके जीवन की मंगल कामना की।

प्रसिद्ध युवा व्यवसायी श्री विशाल मलिक जी ने संक्षेप में अपने विचार रखते हुए कहा कि मैंने अपने देश से पढ़ाई करने के विदेश चला गया और कई वर्ष तक अमेरिका में अपना समय देकर कार्य किया। मेरा अच्छा व्यापार चल रहा था परन्तु जब 2019 में मैं भारत आया तो मुझे लगा कि मुझे अब वापस नहीं जाना चाहिए, बल्कि अपने देश की तरक्की के लिए कार्य करना चाहिए और मैं अब उसी रास्ते पर चल रहा हूँ। उन्होंने कहा कि अपने देश और समाज की सेवा करना ही हम सबका कर्त्तव्य है। उन्होंने कहा कि अपना देश छोड़कर जो लोग अन्य देशों में गये हैं उन्हें भी अपनी योग्यता और क्षमता को अपने देश की तरक्की में लगाने का मन बनाना चाहिए और भारत के विकास के लिए कार्य करने की योजना बनानी चाहिए। उन्होंने स्वामी आर्यवेश जी से आग्रह किया कि स्वामी जी मेरी इच्छा है कि आप इस आश्रम में एक आयुर्वैदिक चिकित्सालय की स्थापना करें जिससे क्षेत्र के लोगों का उपचार आयुर्वैदिक एवं प्राकृतिक तरीके से किया जा सके। अंग्रेजी दवाईयों से सभी लोग परेशान हैं। इस कार्य के लिए मेरा जो भी सहयोग अपेक्षित होगा उसे मैं पूरा करने का प्रयास करूंगा। यदि भवन आदि के निर्माण की आवश्यकता होगी तो उसमें भी मेरा पूरा सहयोग रहेगा। उन्होंने मंच से कहा कि पूज्य स्वामी आर्यवेश जी महाराज का जबसे मुझे सान्निध्य प्राप्त हुआ है तबसे मेरा समाजसेवा के कार्य को करने का उत्साह और अधिक बढ़ गया है। वैसे भी हमारी माता जी अमेरिका में रहते हुए लगभग प्रतिदिन बहन पूनम एवं प्रवेश आर्या जी से बातचीत किया करती रहती थीं तथा समाज के उत्थान के लिए चिन्तन करती थीं।

पर्वतारोही अनीता कुंडू ने कहा कि यज्ञ हमारी संस्कृति का आधार है। उन्होंने अपने ओजस्वी उद्बोधन में माताओं में जोश भरने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि मेरे जीवन में जो बदलाव आया उसमें गुरुकुल की महत्त्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि मेरी शिक्षा–दीक्षा गुरुकुल में हुई।

नशाबन्दी परिषद् हरियाणा के प्रधान स्वामी रामवेश जी ने कहा कि सरकार को पूरे देश में नशाबन्दी की राष्ट्रीय नीति लागू करनी चाहिए।

इस अवसर पर प्रो. वीरेंद्र जी ने कहा कि आर्यसमाज को वर्तमान परिस्थितियों में और ज्यादा मजबूती के साथ कार्य करने की आवश्यकता है क्योंकि आज देश जिन परिस्थितियों से गुजर रहा है उसमें आर्यसमाज की प्रासंगिकता बढ़ जाती है। पूर्व विधायक अजीत सिंह व पूर्व विधायक संत कुमार व पूर्व मंत्री हरिसिंह सैनी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित 200 संन्यासियों व वानप्रस्थियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर यज्ञशाला निर्माण में सहयोग करने वाले दानदाताओं का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंत में बहन पूनम व प्रवेश आर्या ने सभी का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर विशेष रूप से कुंडू खाप प्रधान श्री जयबीरा कुंडू, नरवाल खाप के अध्यक्ष श्री भल्लेराम नरवाल, बारह खाप के श्री मलिक राज मलिक, श्री बिल्लू हुड्डा, श्री योगेश आत्रेय, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सार्वदेशिक सभा के उपप्रधान श्री अनिल आर्य दिल्ली, स्वामी सच्चिदानन्द, श्री भंवरलाल जोधपुर, श्री लक्ष्मीनारायण मध्य प्रदेश, श्री राजेश पठानिया हिमाचल प्रदेश, श्री जयकृष्ण झारखंड, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् दिल्ली के प्रधान श्री धर्मेंद्र कुमार आदि ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के अन्त में आर्य परिवारों एवं यजमानों के सम्मान का कार्यक्रम शुरू हुआ। मुख्य यजमानों तथा आर्य परिवारों का सम्मान करते हुए सार्वदेशिक सभा के नेता स्वामी आर्यवेश जी ने उन्हें स्वामी दयानन्द जी का चित्र भेंट स्वरूप प्रदान किया। यजमानों के अतिरिक्त यज्ञ में उपस्थित ग्रामवासियों, आश्रम के विशेष सहयोगियों, कार्यकर्ताओं, आर्य संन्यासियों तथा कार्यक्रम के समस्त सहयोगियों को भी स्वामी दयानन्द सरस्वती जी का चित्र भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्वादिष्ट भोजन एवं ब्रह्म भोज की व्यवस्था की गई थी जिसे सभी आगन्तुक महानुभावों ने ग्रहण किया। इस प्रकार 12 दिन निरन्तर चलने वाला चतुर्वेद पारायण महायज्ञ भव्यता के साथ 12 मार्च, 2023 (रविवार) को सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम संयोजक बहन प्रवेश आर्या ने किया सभी का धन्यवाद

बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महाराज के अवसर पर कार्यक्रम संयोजक बहन प्रवेश आर्या ने सर्वश्री विशाल मलिक, प्रो. वीरेंद्र (पूर्व मुख्यमंत्री के राजनीतिक सलाहकार), संत कुमार पूर्व विधायक, स्वामी रामवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी, स्वामी यतीश्वरानंद जी, श्री अनिल आर्य, डॉ. योगेश आत्रेय, बिरजानंद एडवोकेट, स्वामी सच्चिदानंद जी, चक्रवर्ती शर्मा, चौधरी हरी सिंह सैनी, प्रेम सिंह धनौरा, वीरपाल देशवाल, माता मूर्ति देवी, महावीर ठेकेदार, जिंदल परिवार दिल्ली, आचार्य सुकामा, रामपाल शास्त्री, अनीता कुंडू, जयवीर कुंडू, भलेराम नरवाल, मलिक राज मलिक, शमशेर सिंह, स्वामी वेद प्रकाश, डॉ. रवि प्रकाश कृष्णा फौगाट, मनोज लाकड़ा, आचार्य हरिदत्त, स्वामी सोम्यानन्द, स्वामी आत्मानंद, स्वामी योगानंद, स्वामी मुक्तिवेश, स्वामी संपूर्णानंद, स्वामी सुकर्मानंद, स्वामी सुमित्रानंद, स्वामी ब्रह्मानंद, स्वामी धर्मवेश, स्वामी योगेश्वर मुनि, कर्नल आर. के. सिंह, डी.एस.पी. अर्जुन सिंह, वीरेंद्र कुंडू, जिले सिंह आर्य, जिले सिंह कुंडू, ईश्वर सिंह, रामकरण सिंह, नरदेव कुंडू, पंडित नरेश, महासिंह, मोनू आर्य, सज्जन राठी, अशोक आर्य, अजीतपाल, डॉक्टर नारायण सिंह, राजबीर वशिष्ठ, कृष्ण, जिले सिंह सैनी, बलजीत हुड्डा, राजू आर्य, जागेराम, हरिओम, बालकिशन, रणबीर भजनी, दिलबाग, महेंद्र सिंह, रामफल कुंडू, नरेंद्र जांगड़ा, देवेंद्र, अजय आर्य, अनिल, तकदीर आर्य, अजय, सत्यप्रिय, हरपाल आर्य, रविंद्र, दयानंद शास्त्री, सबल सिंह कुंडू, जयपाल राजौंद, राजबीर आर्य, विजयपाल, नसीब सिंह, जगबीर शास्त्री आहुलाना, रविंद्र, अजय, परविंदर, मनोज, प्रदीप कुमार, प्रतीक कुमार, जगदीश रधाना, रामभज, पवन आहुलाना, सत्यवीर कैथल, श्यामलाल आर्य, अमित गुप्ता, वैध शिरोमणि आर्य, नफेसिंह, डॉ. जगदेव वेदालंकर, दयानंद आर्य, कंवर सिंह गुलिया, डॉ. रणबीर खासा, बबरुभान तिलक नगर, सुखबीर दहिया, प्रिंसिपल रणबीर नरवाल, योगेंद्र शास्त्री, बलबीर शास्त्री, महावीर धीर, डॉ. योगेंद्र मलिक, साहिल आर्य, राजसिंह, इंद्रजीत राना, विनोद हुड्डा, धारे सिंह, सुदामा, राजेश टेलर, देवेंद्र, भूपेंद्र सिंह भुप्पी, मनु अहलावत, प्रिंसिपल महेंद्र सिंह, एस.डी.एम. इंद्रसिंह, डॉ. भूप सिंह, रामबीर फौगाट, जोरा सिंह, धर्मदेव आचार्य, धर्मवीर गुमाना, बालेंद्र कुंडू, दलबीर आर्य, सत्यप्रकाश आर्य, बलराज मलिक, जगदीश आर्य, बलबीर देशवाल,प्रिंसिपल आजाद सिंह, नरेश कुमार, बलराम आर्य, पवन स्वामी, रेणुका मलिक, अलका मदान, रामराज कादियान, हनुमंत आर्य मकड़ौली, वेदप्रकाश आर्य, राजेंद्र आर्य, शंभू शास्त्री, नंदलाल, रामकुमार आर्य दिल्ली, रामपाल आर्य नरेला, रामकुमार आर्य, अरुण आर्य, धर्मपाल आर्य, माता प्रवीन आर्या, आस्था आर्या, बेटी बचाओ अभियान की टीम जिसमें रिंकू आर्या, शशि आर्या, इंदू आर्या, सुषमा आर्या, सुनीता खासा, एकता आर्या, पूजा आर्या, निधि आर्या, शक्ति आर्या, अंजू आर्या, इंदु आर्या, अंतिम आर्या, पूजा इस्माइला, रूबी आर्या, महेश्वरी आर्या, नीतू आर्या, संगीता आर्या, मुकेश आर्या, कल्याणी आर्या, गरिमा आर्या, प्रीति आर्या, प्रीति, सुमित्रा, पूनम कुंडू, सुनीता, कविता, बबिता, सुदेश, रोशनी, नीलम, कृष्णा, शकुंतला, सरोज आर्या, दयावती आर्या, शशिबाला, राजबाला, कमला योगाचार्या, राजकुमारी आर्या, मोनिका आर्या, बिमला आर्या, चंद्रसूखी आर्या, उर्मिल आर्या, रश्मि आर्या, शीला आर्या, कमलेश, वीना फोगाट, उर्मिल राठी, किरण मलिक, सुरेश, सविता मलिक, सुमन सिंह, सुमन पंचकुला, रामकोर, तारावती, अनिता हुड्डा, माता मूर्ति देवी, सरोज, कमलेश मकड़ौली, रीना, रीमा, राजदेवी, माता जानकी देवी सहित समस्त आर्य जनों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ज्यादा से ज्यादा युवाओं को आर्य समाज में जोड़ा जायेगा - बिरजानन्द एडवोकेट

महिला अधिकारों की वकालत सर्वप्रथम महर्षि दयानन्द जी ने की – पूनम आर्या

बेटी बचाओ अभियान की नई टीमों का गठन स्थानीय स्तर पर किया जायेगा – प्रवेश आर्या

यज्ञ हमारी प्राचीन परम्परा का हिस्सा – स्वामी वेद प्रकाश

मेरा पद्मश्री सम्मान महर्षि दयानन्द सरस्वती जी को समर्पित – आचार्या सुकामा

सात राज्यों के हजारों कार्यकर्ता पहुंचे टिटौली

शिक्षक सम्मेलन, विरक्त सम्मेलन, महिला सम्मेलन, कार्यकर्ता सम्मेलन विशेष आयोजन के साथ 12 दिवसीय कार्यक्रम सफलता के साथ सम्पन्न

पांच खाप पंचायतों के प्रतिनिधि हुए सम्मिलित

महर्षि दयानन्द सरस्वती के जन्म के 200वीं जयंती के अवसर हरियाणा में आयोजित होंगे बड़े कार्यक्रम

रोहतक में महिला सम्मेलन तथा जीन्द में आर्य सम्मेलन आयोजित किया जायेगा

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के नेता स्वामी आर्यवेश जी ने हरियाणा प्रांत के आगामी कार्यक्रमों की घोषणा करते हुए बताया कि 22 सितंबर को जींद में द्वि शताब्दी जन्मोत्सव सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। अप्रैल में 500 शिक्षकों का सम्मान समारोह हरियाणा के जींद जिले में आयोजित होगा। 12 जून को रोहतक में महिला सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। उन्होंने बताया कि आर्य समाज द्वारा 200 विषयों पर लाखों की संख्या में ट्रैक्ट छापे जाएंगे। आर्य समाज का देश की आजादी में योगदान विषय पर 200 संगोष्ठी आयोजित किये जाएंगे। 200 नई आर्य समाजों का गठन, 200 युवा निर्माण शिविरों का आयोजन, 200 संगोष्ठियों का आयोजन, 200 स्कूलों में भाषण प्रतियोगिता, प्रत्येक जिले में आर्य सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। स्वामी आदित्यवेश जी ने बताया कि हरियाणा से जोधपुर सैकड़ों आर्य कार्यकर्ता पहुंचेंगे। 26, 27 एवं 28 मई, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन जोधपुर में स्वामी आर्यवेश जी की अध्यक्षता में आयोजित होगा। इस अवसर पर 51 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। द्वि शताब्दी आयोजन समिति का अध्यक्ष स्वामी रामवेश जी तथा संयोजक स्वामी आदित्यवेश जी को बनाया गया।

6 मार्च, 2023 को लेखराम बलिदान दिवस मनाया गया

महायज्ञ में 6 मार्च को लेखराम बलिदान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के नेता स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि पंडित लेखराम ने धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। इसलिए उनका नाम धर्मवीर पंडित लेखराम से विख्यात हुआ। लेखराम जी ने ऋषि दयानन्द की वैदिक मान्यताओं, सिद्धान्तों व उद्देश्यों के प्रचार को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाया था और अपनी योग्यता व पुरुषार्थ से वैदिक धर्म की महत्वपूर्ण सेवा व रक्षा की। सारा आर्य जगत् व सभी वैदिकधर्मी उनकी सेवाओं एवं बलिदान के लिए सदा–सदा के लिए ऋणी व कृतज्ञ हैं। हमें पं. लेखराम जी से प्रेरणा लेकर ऋषि दयानन्द व उनके मार्ग पर चलना है। इसी से वैदिक धर्म का प्रसार होगा और यही उनके प्रति श्रद्धांजलि होगी। चतुर्वेद पारायण यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी वेद प्रकाश जी सरस्वती ने कहा कि जिस व्यक्ति ने वैदिक संस्कृति को पुनर्जीवित किया, देश की आजादी की नींव रखी, युवाओं में राष्ट्र प्रेम की भावना भरी उनको आज युवाओं को अपना आदर्श मानकर आगे बढ़ना चाहिए। मानव मात्र के लिये अपना जीवन समर्पित करने वाले स्वामी दयानंद द्वारा प्रदर्शित मार्ग पर ही चलने की जरुरत है, तभी हम सफलता को प्राप्त कर सकते हैं।

आर्य समाज को मिले एक और नए संन्यासी कर्ममुनि बने स्वामी धर्मवेश

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ आश्रम टिटौली में आयोजित चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में संन्यास दीक्षा आयोजित की गई। कर्ममुनि पहले रामनरेश नाम से जाने जाते थे। आज उनका नाम संन्यास के उपरांत दीक्षा गुरु स्वामी आर्यवेश जी ने स्वामी धर्मवेश रखा। आपका जन्म वाराणसी जिले के गांव रेमां में हुआ था। आप पिछले लगभग 20 वर्षों से आर्य समाज का कार्य कर रहे हैं। आज इन्होंने धर्मवीर पंडित लेखराम के बलिदान दिवस पर संन्यास लेकर स्वामी धर्मवेश के रूप में आगे का जीवन ऋषि दयानंद को समर्पित करने का निर्णय लिया।

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की द्वितीय जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में सभी आर्य समाजें सार्वजनिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित करें

घर–घर जाकर महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के सन्देश को आम आदमी तक पहुँचायें

अपने क्षेत्र के सभी प्रतिष्ठित लोगों को सत्यार्थ प्रकाश व स्वामी दयानन्द जी की जीवनी भेंट करें

प्रभात फेरी, शोभा यात्रा, विचार संगोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता व लेख प्रतियोगिताएँ करके

महर्षि के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से आम जनता को अवगत करायें – स्वामी आर्यवेश

युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी ने समाज की विविध कुरीतियों, रूढ़ियों, वेद विरुद्ध मान्यताओं को चुनौती देकर आर्य समाज की स्थापना की थी। उन्होंने वेदों का अनुशीलन किया और उन्हीं के अनुसार समाज के सर्वांगीण सुधार का निश्चय किया। स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने देश को आजाद कराने में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनेक शिष्य स्वतंत्रता आन्दोलन में शहीद हुए। स्वामी जी की प्रेरणा से हजारों आर्यों ने अंग्रेज के विरुद्ध आन्दोलन करके जेल यातनाएं सही। इतिहास के पन्नों पर अनेक उदाहरण मिलते हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि स्वतंत्रता आन्दोलन में सर्वाधिक योगदान आर्यों का रहा। स्वामी श्रद्धानन्द, स्वामी स्वतंत्रतानन्द, श्यामजी कृष्ण वर्मा, भाई परमानन्द, लाला लाजपत राय, शहीदे आजम सरदार भगत सिंह व उनका पूरा परिवार, राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, ठाकुर रोशन सिंह, राजेन्द्र लाहिड़ी, चन्द्रशेखर आजाद, यशपाल, बहन शास्त्री देवी, दुर्गा भाभी आदि स्वनाम धन्य क्रांतिकारी आर्य समाज की भट्ठी से तप कर निकले थे। स्वामी दयानन्द जी के गुरु प्रज्ञाचक्षु स्वामी बिरजानन्द जी ने 1857 की क्रांति और उसके पश्चात् स्वतंत्रता आन्दोलन को आगे बढ़ाने में अपनी ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उन्होंने राजस्थान और उत्तर प्रदेश की कई रियासतों के राजाओं सर्वखाप पंचायत के प्रधानों व विभिन्न समुदायों के संगठन प्रमुखों को संगठित होकर अंग्रेज के विरुद्ध लड़ाई लड़ने की प्रेरणा दी थी। स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने सामाजिक क्षेत्र में व्याप्त कुरीतियों यथा बाल विवाह, सती प्रथा, स्त्रियों और शूद्रों को शिक्षा से वंचित रखने की परम्परा, जाति, समुदाय, स्त्री–पुरुष, गरीब–अमीर, आदि के आधार पर चल रहे भेदभावां के विरुद्ध समाज को झकझोरा। उन्होंने विधवा विवाह एवं स्त्री शिक्षा का समर्थन करके नारी जाति का उपकार किया। समाज में अछूत के नाम पर तिरस्कृत लोगों को सम्मान प्रदान करने का रास्ता खोला। शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी दयानन्द सरस्वती ने क्रांतिकारी घोषणा की और कहा कि चाहे कोई राजकुमार हो या राजकुमारी चाहे दरिद्र की सन्तान हो सबको तुल्य वस्त्र, खान–पान व आसन मिलने चाहिए। यह जाति नियम व राजनियम होना चाहिए कि प्रत्येक बालक विद्यालय में जाये। स्वामी दयानन्द जी ने अनिवार्य शिक्षा, निःशुल्क शिक्षा तथा समान शिक्षा पर बल दिया है। ताकि समाज में प्रचलित समस्त भेदभाव समाप्त हो सके और सबको उन्नति के समान अवसर मिल सकें।

उनका यह 199वाँ जन्म दिवस है। उनके जन्म की दूसरी शताब्दी वर्ष–2024 में आ रही है। इस उपलक्ष्य में आर्य समाज पूरे विश्व में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से महर्षि के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के लिए कृत संकल्प हो।

आर्य समाज बृहद यज्ञों का आयोजन करें और यह आयोजन आर्य समाज से बाहर निकल कर जैसे पार्कों अथवा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किये जायें तो अत्योत्तम रहेगा। इन बृहद यज्ञों में आर्य सदस्यों, परिवारों के अतिरिक्त जन सामान्य को भी प्रेम पूर्वक आमन्त्रित किया जाना चाहिए।

इसी प्रकार प्रत्येक आर्य समाज प्रभातफेरी, शोभा यात्रा, विचार गोष्ठी, छात्र–छात्राओं की भाषण प्रतियोगिताएं, लेख प्रतियोगिताएं एवं आम सभाओं का आयोजन करके स्वामी जी के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का प्रयत्न करें। क्षेत्र के समस्त प्रतिष्ठित महानुभावों (डॉक्टर, वकील, व्यापारी, जनप्रतिनिधि व अन्य धार्मिक, राजनीतिक संगठनों के नेताओं) को महर्षि दयानन्द जी की जीवनी तथा सत्यार्थ प्रकाश भेंट करें।

आर्य समाज के कार्यकर्ता अपने–अपने क्षेत्र के प्रत्येक घर तक पहुंचकर महर्षि दयानन्द जी के चित्र लोगों को दें और उनके घरों में चित्र लगवायें। सभी आर्य समाजों के बाहर महर्षि दयानन्द जी के किसी एक सुन्दर वाक्य अथवा सन्देश का होर्डिंग जिसमें महर्षि का चित्र भी हो उसे लगवायें। इसी प्रकार प्रान्तीय आर्य प्रतिनिधि सभाएं, जिला आर्य प्रतिनिधि सभाएं, आर्य शिक्षण संस्थाएं, गुरुकुल, आश्रम व युवा संगठन भी महर्षि के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने के लिए प्रान्तीय एवं जिला स्तर के सम्मेलनों का आयोजन करें जिनमें विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक संगठनों के लोगों को आमंत्रित करके महर्षि दयानन्द जी के प्रति उद्गार प्रकट करवायें। यदि सभी आर्यजन अपने–अपने स्तर से उपरोक्त समस्त सभी कार्य योजनाओं को क्रियान्वित करने में जुट गये तो निश्चित रूप से हम पूरे विश्व में करोड़ों लोगों तक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के संदेश को पहुंचाने में सफल होंगे।

केन्द्र सरकार ने निर्णय लिया है कि अगले एक वर्ष तक पूरे देश में महर्षि दयानन्द जी की दूसरी जन्म शताब्दी को सरकार का संस्कृति मंत्रालय मनायेगा इसके लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे, किन्तु हम अपने स्तर पर भी अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करते हुए उपरोक्त योजनाओं को अभी से लागू करना प्रारम्भ करें। यही सभी आर्यों से विनम्र प्रार्थना है।

महिला सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टिटौली में चल रहे बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में 9 मार्च, 2023 को आर्य महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। महिला दिवस के अवसर पर बेटी बचाओ अभियान द्वारा टिटौली गांव की महिला कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया। बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्षा बहन पूनम आर्या ने कहा कि मानव के निर्माण में माँ का योगदान सबसे बड़ा होता है। क्योंकि माता निर्माता भवति की उक्ति इस देश में सदियों से प्रचलित है। उन्होंने कहा कि आज माँ को भी अपनी जिम्मेदारी को समझने की जरूरत है। माँ जितनी सावधानी से बच्चे की परवरिश करेगी, समाज के नवनिर्माण में उतना ही बड़ा योगदान दे सकेगी।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजिका बहन प्रवेश आर्या ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने महिलाओं के कल्याण के लिए सबसे ज्यादा वकालत की। उन्होंने महिलाओं को पढ़ने का अधिकार दिलवाया। विधवा पुनर्विवाह को प्रारंभ करवाया, बाल विवाह, देवदासी प्रथा, सती प्रथा, छुआछूत जैसी बुराईयों को जड़ से खत्म करने के लिए पूरे समाज को झकझोर दिया था। महारानी किशोरी कॉलेज की पूर्व प्राचार्या डॉ. कृष्णा चौधरी ने कहा कि आज के कार्यक्रम को देखकर मैं यह कह सकती हूं कि जिनकी मां इतनी सशक्त हैं उनकी बेटियों के विकास में कोई बाधा नहीं आ सकती। निश्चित रूप से वे बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकती हैं।

राजबाला एडवोकेट ने कहा कि समाज की मानसिकता को बदलने में आर्य समाज का अहम योगदान है। इस अवसर पर गाँव की महिलाओं ने अपने विचार भी रखे जिनमें उर्मिला, पूनम कुंडू, नीलम आर्या, रोशनी देवी, दयावती, कमलेश, सुमित्रा, सुनीता, कविता, शंकुतला, सुदेश, प्रीति, शीला आदि मुख्य थीं। उपस्थित सभी महिलाओं को कार्यक्रम के आयोजकों ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। वहीं बहन पूनम आर्या, प्रवेश आर्या व महिला कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

वैदिक विरक्त सम्मेलन का आयोजन

बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ के 10वें दिन विरक्त सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें बोलते हुए स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि आज देश को पुनः वैदिक संस्कृति की ओर लौटने की आवश्यकता है। आर्य समाज वैदिक संस्कृति को प्रचारित व प्रसारित करने के लिए लंबे समय से लगा हुआ है। आर्य समाज के पास बलिदान की परम्परा है। वेद जैसा सार्वभौमिक ज्ञान व जीवनशैली है। आर्य समाज के पास समर्पित सन्यासी हैं। आगे कहा कि आज हमें नकारात्मक मानसिकता के लोगों से सावधान रहते हुए निरन्तर आगे बढ़ने की योजना बनानी चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि 2024 में स्वामी दयानंद जी के 200वें जन्मदिवस पर 200 संन्यासी, 200 वानप्रस्थी, 200 जीवनदानी युवा तैयार किये जायें।

आर्य समाज के विद्वान आचार्य वेदमित्र ने कहा कि आज देश को तोड़ने वाली ताकतों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि युवाओं की हालत सुधारने की योजना पर काम करने की जरूरत है। वेद को मानने वाले व्यक्ति सबको बराबर मानता है, क्योंकि वेद भेदभाव नहीं सिखाता है बल्कि सारा विश्व हमारा परिवार की भावना सिखाता है। इसलिए वेदों की ओर लौटें। ज्यादा से ज्यादा युवा वेद की मान्यताओं को प्रचारित करने के लिए आगे आएं।

वैदिक विरक्त मंडल के संगठन मंत्री स्वामी सोम्यानन्द ने कहा कि बुराइयों के विरुद्ध बगावत का नाम ही आर्य समाज है। देश की आजादी के आंदोलन में भी आर्य समाज ने अंग्रेजों के खिलाफ बगावत की। जिसका परिणाम स्वतंत्रता के रूप में देखने को मिला। इस अवसर पर स्वामी ब्रह्मानन्द, स्वामी आत्मानन्द, स्वामी संपूर्णानन्द, स्वामी योगानन्द, स्वामी मुक्तिवेश, स्वामी निर्भयानन्द, स्वामी व्रतानन्द, स्वामी धर्मवेश, स्वामी प्रकाशानन्द, स्वामी योगेश्वर मुनि, स्वामी शांतानन्द आदि ने अपने विचार रखे। स्वामी संगीतानन्द तथा मधुरम आर्य ने गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में लगभग 15 प्रान्तों से आर्य संन्यासी व वानप्रस्थी उपस्थित रहे।

आगामी कार्यक्रमों की घोषणा

वैदिक विरक्त मण्डल के संगठन मंत्री स्वामी सोम्यानन्द जी ने सभी संन्यासियों से अपील करते हुए कहा कि आगामी दो वर्षों में 5–5 जीवनदानी तैयार करने का संकल्प लिया। साथ ही अपने क्षेत्र में युवाओं के चरित्र निर्माण शिविरों के आयोजन की योजना भी बनाई।

चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में शिक्षक संगोष्ठी का आयोजन

11 मार्च को 'राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका' विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा सहित आस–पास के राज्यों के लगभग एक 100 अध्यापकों ने भाग लिया। इस अवसर पर स्वामी आर्यवेश जी ने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्कार युक्त शिक्षा आज समाज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। सभी आए हुए श्रोताओं को सम्बोधन करते हुए समाज में फैली विभिन्न कुरीतियों पर कटाक्ष करते हुए अध्यापक समाज से विशेष रूप से इन कुरीतियों को दूर करने के लिए निवेदन किया। उन्होंने शिक्षक को राष्ट्र का कर्णधार बताया।

दयानन्द विश्वविद्यालय में दयानन्द पीठ के अध्यक्ष डॉ. रवि प्रकाश जी ने कहा कि संस्कारों का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। संस्कार की कमी के कारण ही समाज का ताना–बाना टूटता दिखाई देता है। संस्कार के अभाव में ही समाज से संवेदनशीलता समाप्त हो रही है। यही कारण है कि आज माता–पिता व बुजुर्गों का सम्मान होना बंद हो गया है। समाज को सही दिशा की ओर ले जाने में संस्कारों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। युवाओं में बढ़ती नशाखोरी और समाज में फैली कुरीतियां, भ्रूण हत्या जैसे जघन्य अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए संस्कारवान समाज बनाने की अत्यन्त आवश्यकता है।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् हरियाणा के प्रधान स्वामी आदित्यवेश जी ने आए हुए सभी सम्मानित व्यक्तियों का स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम टिटौली, रोहतक में पधारने के लिए सभी का धन्यवाद व आभार प्रकट करते हुए कहा कि समाज में फैली हुई कुरीतियों को दूर करने के लिए सभी आगंतुकों को शपथ लेकर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी श्रीमती कृष्णा फौगाट चरखी दादरी ने कहा कि हमें अपने कार्यों को जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।

इस अवसर पर संयोजक मंडल के सभी पदाधिकारी सर्वश्री सज्जन राठी, अशोक आर्य, हरपाल आर्य, मनोज लाकड़ा, प्रदीप कुमार, डॉ. सुदर्शन पुनिया, श्रीमती स्विटी भारती, श्रीमती रेणुका मलिक, श्रीमती अलका मदान, सुमन धनकड़ तथा नवीन राठौर जी विशेष रुप से उपस्थित रहे

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आंदोलन की संयोजिका बहन प्रवेश आर्या तथा बहन पूनम आर्या, प्रिंसिपल जगदेव सिंह, सुमित सरपंच, राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित श्री मनोज लाकड़ा, राकेश आर्य व मनोज सहरावत, दादरी जिले की रोजगार अधिकारी शशि आर्या ने भी अपने विचार रखे। बहन कल्याणी आर्या ने आए हुए सभी मेहमानों को अपने भजनों से मंत्रमुग्ध कर आर्य समाज की महिमा तथा शिक्षक के गुणों का गुणगान किया।

पंजीयन संख्या (R.N.I. No.)- DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/2021-23
Licence to Post without prepayment of Postage. U (c)-289/2021-23

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

आर्य समाज के त्यागी, तपस्वी एवं तेजस्वी संन्यासी स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें :- ***www.facebook.com/SwamiAryavesh*** व फेसबुक पेज को लाइक करें तथा अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।

ई–मेल : aryavesh@gmail.com

Tel. :-011-23274771

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

!!ओ३म्!!

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का 200वीं

1824 - 2024

जन्म जयन्ती वर्ष

अस्माकं वीरा उत्तरे भवन्तु

एवं 31 मई, 1883 को जोधपुर आगमन व प्रवास के उपलक्ष्य में आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान एवं आर्य वीर दल राजस्थान के तत्वावधान में

26, 27 एवं 28 मई, 2023 को जोधपुर (राज.) में

अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

अध्यक्षता
स्वामी आर्यवेश जी
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली–110002

समन्वयक
प्रो. विट्ठलराव आर्य
मंत्री, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली

सहयोग राशि निम्न खाते में भेजें
आर्य प्रतिनिधि सभा समिति जोधपुर
A/C - 00860110015582
IFSC CODE - UCBA0002244
सहयोग राशि प्राप्त होने के बाद रसीद आपको भेज दी जायेगी।

आयोजक

आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान एवं आर्य वीर दल राजस्थान

कार्यालय : आर्य समाज पाबूपुरा, गौरव पथ, नागरिक हवाई अड्डा रोड, जोधपुर–342015 (राज.)

बिरजानन्द एडवोकेट	**कमलेश शर्मा**	**भंवरलाल आर्य**	**हरि सिंह आर्य**	**स्वामी आदित्यवेश**
प्रधान	मंत्री	अधिष्ठाता/संचालक	अध्यक्ष	संयोजक
आर्य प्रतिनिधि सभा, (राज.)	आर्य प्रतिनिधि सभा, (राज.)	आर्य वीर दल, (राज.)	आर्य वीर दल, जोधपुर (राज.)	अन्तर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन
9001304100	9460066557	9414476888	9413957390	9468165946

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (दूरभाष : 011-23274771)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : *sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com* वैबसाइट : *www.vedicaryasamaj.com*
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।